

30/9/22

धार्मिक भाव उत्पन्न करने के लिए प्रयत्न करने की स्वीकार
 किने जाने पर (प्रायश्चित्त) तब तक धार्मिक नित्य
 कार्यों में रुकावट डालना उचित नहीं है किने किने
 के उद्देश्य के अंगे नहीं धरनात पाए जा सकें
 अतः प्रत्येक उक्त धार्मिक उद्देश्य के
 अर्थ का उद्देश्य धार्मिक अर्थ के उक्त धार्मिक
 किने जाने से (प्रायश्चित्त) केवल धार्मिक
 उद्देश्य के उद्देश्य के उक्त धार्मिक

अथ ए -
 30/9/22

पदवापु में नई
 चलाया जाता है
 अथ ए -
 30/9/22
 पदवापु में नई

30/9/22
 Note present
 30/9/22

